22.4.24

 B+

Tender Heart High School, Soc-33-B, CH.D.

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा

विषय- हिंदी व्याकरण (भाववाचक संज्ञा, तत्सम-तद्भव)

पृष्ठ-57-58 | पृष्ठ-22

(बच्चा से लंबाई तक) (आम्र से कोयल)

पुस्तक- वीवा हिंदी व्याकरण- 8

सुप्रभात बच्चो,

आज हम कक्षा आठवीं की व्याकरण की पुस्तक वीवा-8 के पृष्ठ-22 पर दिए तत्सम-तद्भव शब्दों को तथा पृष्ठ-57-58 पर दिए भाववाचक संज्ञाओं को पढ़ेंगे।

भाववाचक संज्ञा:- थकान, मिठास, बुढ़ापा, गरीबी, आज़ादी, हँसी, चढ़ाई, साहस, वीरता आदि शब्द - भाव, गुण, अवस्था तथा क्रिया के व्यापार का बोध करा रहे हैं, इसलिए ये 'भाववाचक संज्ञाएँ' हैं।

विशेष:- इसमें ध्यान देने योग्य विशेष बात यह है कि भाववाचक संज्ञाएँ सामान्यतः महसूस की जाती हैं। इन्हें गिना नहीं जा सकता और इनका प्रयोग सदैव एकवचन में होता है। जब हम भाववाचक संज्ञा को बहुवचन के रूप में प्रयोग करते हैं, तब यह जातिवाचक संज्ञा बन जाती है; जैसे - बुराइयाँ मनुष्य को विनाश की ओर ले जाती हैं; उदाहरण-

1. लगातार कई घंटे खेलने से मुझे थकान हो गई है।
2. दशहरी आम में बहुत मिठास होती है।
3. करेले में कड़वापन होता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

22.4.24

Pg 2

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (भाववाचक संज्ञा, तत्सम-तद्भव)

4. बुढ़ापे में इनसान बच्चा बन जाता है।
5. गरीबी बहुत बड़ा अभिशाप है।
6. एवरेस्ट की चढ़ाई बहुत कठिन है।
7. गर्मियों में पेड़ों की छाया शीतलता प्रदान करती है।
8. मेरी बहन घर की सजावट पर बहुत ध्यान देती है।

बच्चो, ऊपर लिखे रेखांकित शब्दों को आपने ध्यान से पढ़ा व समझा होगा। अब हम भाववाचक संज्ञाओं को पढ़ेंगे। भाववाचक संज्ञाएँ चार प्रकार से बनती हैं। कुछ शब्द तो मूल रूप से भाववाचक संज्ञा होते हैं; जैसे:- सुख, दुख, हार, जीत, प्रेम, दया, कृपा, न्याय, सत्य, असत्य, प्रेम, क्रोध आदि। भाववाचक संज्ञाएँ जातिवाचक संज्ञा से, सर्वनाम से, विशेषण से तथा क्रिया से बनती हैं। भाववाचक संज्ञा बनाते समय शब्दों के अंत में प्रायः पन, त्व, ता आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है। आइए! अब हम भाववाचक संज्ञाओं को बनाना सीखते हैं — भाववाचक संज्ञाओं की रचना

1. जातिवाचक संज्ञा से

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	जातिवाचक	भाववाचक
1. बच्चा	- बचपन	बूढ़ा	बुढ़ापा
2. नारी	नारीत्व	पशु	पशुता, पशुत्व
3. बंधु	बंधुत्व	भ्रातृ	भ्रातृत्व
4. माता	मातृत्व	व्यक्ति	व्यक्तित्व

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

22.4.24

Pg 3 B+

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (भाववाचक संज्ञा, तत्सम-तद्भव)

	जातिवाचक	- भाववाचक		जातिवाचक	- भाववाचक
5.	मित्र	मित्रता		मानव	मानवता
6.	गुरु	गुरुत्व, गुरुता		सज्जन	सज्जनता
7.	इंसान	इंसानियत		संस्कृति	संस्कार
8.	देव	देवत्व		दास	दासता
9.	राष्ट्र	राष्ट्रीयता		दोस्त	दोस्ती
10.	हिन्दू	हिंदुत्व		ईश्वर	ईश्वरत्व
11.	क्षत्रिय	क्षत्रियत्व		हैवान	हैवानियत
12.	सच	सच्चाई		नेता	नेत्री
13.	वीर	वीरता		स्त्री	स्त्रीत्व
14.	मर्द	मर्दानगी		ईमान	ईमानदारी
15	जंगली	जंगलीपन		चोर	चोरी

सर्वनामों से

सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा	सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा
1. अपना	अपनापन	मम	ममत्व, ममता
2. निज	निजता, निजत्व	अहं	अहंकार
3. पराया	परायापन	स्व	स्वत्व

विशेषण से

विशेषण	भाववाचकसंज्ञा	विशेषण	भाववाचकसंज्ञा
1. कठोर	कठोरता	काला	कालिमा, कालापन
2. सुंदर	सुंदरता, सौंदर्य	कुटिल	कुटिलता

(पृष्ठ-3)

Tutorial

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

22.4.24

Pg 4 D+

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (भाववाचक संज्ञा, तत्सम-तद्भव)

विशेषण	भाववाचक संज्ञा	विशेषण	भाववाचक संज्ञा
3. चतुर	चतुरता, चतुराई	चपल	चपलता
4. दुष्ट	दुष्टता	धीर	धीरता, धीरज, धैर्य
5. सरल	सरलता	उचित	औचित्य
6. नवीन	नवीनता	अधिक	अधिकता
7. कुलीन	कुलीनता	गरीब	गरीबी
8. साफ़	सफ़ाई	अमीर	अमीरी
9. स्वच्छ	स्वच्छता	चौड़ा	चौड़ाई
10. गंदा	गंदगी	लंबा	लंबाई

अब हम तत्सम-तद्भव शब्दों को पढ़ेंगे। भाववाचक पढ़ ली हैं।

(क) तत्सम शब्द :— तत्सम शब्द संस्कृत के दो शब्दों 'तत्' तथा 'सम्' के मेल से बना है। जिसका अर्थ है उनके (संस्कृत) समान। जिन संस्कृत शब्दों का 'त्यों का त्यों' हिंदी में प्रयोग किया जाता है, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं; उदाहरण — जल, चंद्र, कमल, वृक्ष, दुग्ध आदि।

(ख) तद्भव शब्द :— जो शब्द संस्कृत से हिंदी में आए हैं पर भाषा के विकास के साथ जिनके शब्दों का रूप बदल गया है, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं। इनका रूप कालांतर में परिवर्तित हो गया।
उदाहरण :— चाँद, दूध, खेत, पाँच, सीख आदि।

(पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

22.4.24

Pg 5 D

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (भाववाचक संज्ञा, तत्सम-तद्भव)

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द	तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
1. आम्र	आम	स्तंभ	खंभा
2. मस्तक	माथा	ओष्ठ	होंठ
3. मुख	मुँह	दश	दस
4. कर्ण	कान	अग्नि	आग
5. दिवस	दिन	दुग्ध	दूध
6. लौहा, लौह	लोहा	अक्षि	आँख
7. सर्प	साँप	नासिका	नाक
8. उष्ट्र	ऊँट	जिह्वा	जीभ
9. घोटक	घोड़ा	पाद	पाँव
10. अश्रु	आँसू	रात्रि	रात
11. पितृ	पिता	कपाट	किवाड़
12. पुत्र	पूत	मक्षिका	मक्खी
		कोकिल	कोयल

बच्चो! हमने भाववाचक संज्ञाएँ, जातिवाचक संज्ञा से, सर्वनाम से तथा विशेषण से बनानी सीखीं। आशा है, सब बच्चों को अच्छे से समझ में आ गई होंगी। साथ ही हमने तत्सम-तद्भव शब्दों को भी पढ़ा है।

बच्चो, अब मैं आपको कुछ वाक्य दे रही हूँ, उनमें रेखांकित शब्दों को भाववाचक संज्ञा बनाकर वाक्यों में प्रयोग करो :-

(पृष्ठ 5)

Tutorial

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

22.4.24

PAGE No. 6

कक्षा - आठ 8 शिक्षिका - सुमन शर्मा दिनांक.
विषय - हिंदी व्याकरण उपविषय - भाववाचक संज्ञा, तत्सम-तद्भव

प्रश्न - 1. कुआँ बहुत गहरा है।
2. चाँदनी रात में वातावरण ठण्डा रहता है।
3. लोभी व्यक्ति स्वयं पर भी पैसा खर्च नहीं करता।
4. कच्चा आम बहुत खट्टा है।
5. चालाक लोमड़ी ने अंगूर खट्टे बता दिए।

बच्चो! अब मैं इनके उत्तर लिख रही हूँ।

उत्तर-1 कुएँ से उसकी गहराई का पता चला।
2. चाँदनी रात में वातावरण में ठंडक रहती है।
3. लोभ के कारण व्यक्ति स्वयं पर भी पैसा खर्च नहीं करता।
4. कच्चे आम में बहुत खटास है।
5. चालाकी से लोमड़ी ने अंगूर खट्टे बता दिए।

बच्चो! अब मैं रिक्त स्थान भरने को दे रही हूँ

1. वैष्णव देवी की खड़ी — सबको थका देती है। (चढ़ना)
2. महाराणा प्रताप की — चकित करने वाली थी। (वीर)
3. — बढ़ना स्वास्थ्य के लिए दुखदायी है। (मोटा)
4. सूर्य की — से हरे पेड़ गुलाबी दिखाई दे रहे हैं। (लाल)
5. मोहन की — ने पूरे घर को परेशान कर दिया। (उदास)

बच्चो! अब मैं इनके उत्तर लिख रही हूँ। सब बच्चे ध्यान से देखें।

1. चढ़ाई 2. वीरता 3. मोटापा 4. लालिमा 5. उदासी।

गृहकार्य:- कराए गए सम्पूर्ण कार्य को ध्यान से पढ़ें लिखें व याद करें। इसी लिखित कार्य को पढ़ें। पुस्तक से अलग कार्य कराया गया है।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner